KV KNOWLEDGEWARE

टेरेसा मे : ब्रिटेन की नई प्रधानमंत्री

1990 में आयरन लेडी मार्गरेट थैचर के सत्ता से बाहर होने के तकरीबन ढाई दशक बाद टेरेसा मे ब्रिटेन की प्रधानमंत्री बनी हैं। यूरोपीय संघ से ब्रिटेन के बाहर निकलने के बाद (ब्रेक्जिट) उनको देश के समक्ष मौजूदा संकटों का सामना करना सबसे बड़ी चुनौती है।

टेरेसा मे ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का पदभार संभाला, जिससे वह मार्गरेट थैचर के बाद प्रधानमंत्री बनने वाली दूसरी महिला हो गई हैं। टेरेसा ने ब्रेग्जिट के बाद दुनिया में ब्रिटेन के लिए 'साहसिक एवं नई सकारात्मक भूमिका' निभाने का संकल्प लिया है।

बकिंघम पैलेस में क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय के साथ मुलाकात के बाद थेरेसा (59) ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का प्रभार लिया। वह अपने पति फिलिप मे के साथ मीडिया को संबोधित करने डाउनिंग स्ट्रीट पहुंचीं ।

प्रधानमंत्री के तौर पर अपने पहले भाषण में उन्होंने कहा, 'डेविड कैमरन को मैं एक महान, आधुनिक प्रधानमंत्री मानती हूं... उन्होंने एक राष्ट्र की सरकार का नेतृत्व किया और उसी भावना से मैं नेतृत्व करने की योजना बना रही हूं।' उन्होंने यूरोपीय संघ छोड़ने के लिए ब्रिटेन के जनमत संग्रह का जिक्र करते हुए कहा,

'हमारे समक्ष बड़े राष्ट्रीय बदलाव की चुनौती है... हम चुनौती का सामना करेंगे और साथ मिलकर बेहतर ब्रिटेन का निर्माण करेंगे।'

उन्होंने इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड के बीच एकता को बनाए रखने की प्रतिबद्धता जताई और कहा कि वह ईयू से निकलने की चुनौती से निपटेंगी और 'दुनिया में ब्रिटेन के लिए साहसिक एवं नई सकारात्मक भूमिका तैयार करेंगी।' बेहद खरी बातें करने वाली इस नेता ने ऐसे वक्त में पद संभाला है, जब ब्रेग्जिट वोट के कारण प्रधानमंत्री पर काम का बोझ बहुत ज्यादा है। ब्रिटेन की पहली महिला प्रधानमंत्री मार्ग्रेट थैचर थीं। वह 1979 से 1990 तक इस पद पर रहीं। 'ब्रेग्जिट का अर्थ ब्रेग्जिट है' यह वादा करने के बाद कंजरवेटिव पार्टी की 59-वर्षीय नेता के लिए सबसे महत्वपूर्ण काम एक ऐसी टीम का गठन करना है, जो यूरोपीय संघ से ब्रिटेन के बाहर निकलने की शर्तों पर बातचीत करने की चुनौती से निपट सके। थैचर के बाद देश की दूसरी महिला प्रधानमंत्री बनने वाली टेरेसा से आशा की जा रही है कि वह राजनीति में महिलाओं के हक की बात करेंगी और कैबिनेट में टोरी महिला सांसदों को बहुत महत्वपूर्ण भूमिकाएं दी जाएंगी। आशा की जा रही है कि प्रधानमंत्री पद संभालने के अलावा टेरेसा अन्य कई भूमिकाओं में भी स्थिरता सुनिश्चित करेंगी। टेरेसा 1997 से ही बतौर सांसद ब्रिटिश संसद में मौजूद हैं। डेविड कैमरन के मंत्रिमंडल में वह गृहमंत्री रहीं। टेरेसा पिछले 50 सालों में सबसे लंबे समय तक गृहमंत्री के पद पर रहने वाली सांसद हैं। ब्रेक्जिट मत विभाजन के बाद कंजरवेटिव पार्टी की तरफ से प्रधानमंत्री पद की रेस में सबसे आगे अपनी अपारंपरिक राजनीतिक शैली को लेकर मशहूर रहे और पत्रकार से कंजरवेटिव नेता बने बोरिस जॉनसन (52) का नाम था। उन्होंने 23 जून के जनमत संग्रह में ब्रेक्जिट (ईयू से बाहर निकलने) खेमे का नेतृत्व किया था। लेकिन बाद में उन्होंने पार्टी का नेतृत्व करने से इनकार कर दिया था।

उसके बाद अंतिम रूप से मुख्य मुकाबला दो महिला राजनेताओं गृह मंत्री टेरेसा मे और ऊर्जा मंत्री आंद्रिया लीडसम के बीच रहा। पार्टी में टेरेसा के पक्ष में बढ़ते समर्थन के बीच 11 जुलाई को ऊर्जा मंत्री आंद्रिया के हटने के बाद टेरेसा का प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया। वह 1997 से मेडेनहेड से कंजरवेटिव पार्टी की सांसद हैं। उससे पहले 1977-1983 तक बैंक ऑफ इंग्लैंड में भी काम कर चुकी हैं। 2002-03 के दौरान वह कंजरवेटिव पार्टी की चेयरमैन भी रहीं। 2010 में डेविड कैमरन के नेतृत्व में गठबंधन सरकार के बनने के बाद वह कैबिनेट में होम सेक्रेट्री (गृह मंत्री) रहीं। उस दौरान वह महिला और समानता विभाग की मंत्री भी रहीं। 2012 में उन्होंने महिला और समानता विभाग को छोड़ दिया।

2015 के चुनाव में कंजरवेटिव पार्टी के लगातार दूसरी बार सत्ता में आने के बाद उनको फिर से होम सेक्रेट्री चुना गया। इस प्रकार वह इस पद पर पिछले 60 वर्षों में जेम्स सी एड के बाद सबसे ज्यादा समय तक रहने वाली मंत्री रहीं। जून में कैमरन के इस्तीफा देने की घोषणा के बाद उन्होंने पार्टी का नेतृत्व संभालने के लिए अपनी दावेदारी पेश की। उसके बाद से उनके पक्ष में समर्थन बढ़ता गया और उनके प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ हुआ।

टेरेसा इस साल के अंत में 60 साल की होने जा रही हैं। वह लिबरल कंजरवेटिव के रूप में जानी जाती हैं।